आईना

एक कोरियाई लोककथा

एलिसन हेइफ़र

चित्र: जोहाना वान डेर स्टर

बहुत समय पहले, कोरिया देश में फार्म पर एक परिवार रहता था. एक दिन, किसान हंसू ने देश के सभी किसानों की एक बैठक में भाग लेने के लिए शहर की यात्रा करने की सोची.

जैसे ही हंसू जाने के लिए तैयार हुआ, उसकी पत्नी जिनवॉन ने उससे एक उपहार मांगा. "मैं कभी शहर नहीं गई हूं, तो क्या आप शहर से कृपया मेरे लिए एक उपहार लाएंगे?"

हंसू ने उत्तर दिया, "बेशक, बताओ तुम क्या चाहोगी?"

जिनवॉन ने कहा, "मुझे कुछ सुंदर चीज़ चाहिए."

जब हंसू शहर में पहुंचा, तो उसकी मुलाकात एक महिला व्यापारी से हुई और वो उसकी दुकान में गया. हंसू ने व्यापारी से कहा, "मैं अपनी पत्नी के लिए एक सुंदर उपहार खरीदना चाहता हूं."

"मेरे पास वही है जो आपको चाहिए," व्यापारी ने उत्तर दिया, और उसने हंसू को एक शानदार दर्पण दिया.

अब, उस समय, दर्पण अत्यंत दुर्लभ थे. हंसू ने पहले कभी अपना चेहरा दर्पण में नहीं देखा था. जब उसने अपना प्रतिबिंब देखा तो वह घबराकर उछल पड़ा. व्यापारी ने हंसू को समझाया कि जब भी उसकी पत्नी दर्पण में देखेगी, तब उसे अपना चेहरा दिखाई देगा.

घर वापस आकर, हंसू ने फैसला किया कि वो दर्पण छिपा देगा क्योंकि वो अपनी पत्नी की उपहार के बारे में उत्सुकता जगाना चाहता था. फिर बाद में वो उसे दर्पण भेंट करेगा, और फिर उस अद्भुत उपहार को लेकर खुशियाँ मनाएगा. "मेरी पत्नी कितनी खुश होगी," उसने आत्मविश्वास से सोचा, और फिर हंसू ने दर्पण को पर्दे के पीछे छिपा दिया.

जब जिनवॉन कमरे में आई, तो हंसू ने उसे उपहार के बारे में बताया और कहा कि उसने उपहार को छिपा दिया है. उसने जिनवॉन से वादा करने को कहा कि वो उपहार ढूंढने की कोशिश नहीं करेगी.

जैसे ही हंसू कमरे से बाहर निकला, जिनवॉन उपहार को तलाश करने लगी. अंत में, उसने पर्दा हटाया और दर्पण में अपना चेहरा देखा.

"ईईईईईई..!" वो चिल्लाई. "मैंने अपने पति से एक सुंदर चीज़ मांगी थी, और मेरे पति एक युवा, सुंदर महिला को घर ले आया!"

"मैं एक अच्छी पत्नी रही हूं, तो फिर हंसू नई पत्नी क्यों चाहेगा?" उसने सोचा, और फिर वो रोने लगी. उसी समय, उसकी माँ कमरे में आई.

"बेटी, तुम इतनी परेशान क्यों हो?" मिन ने पूछा.

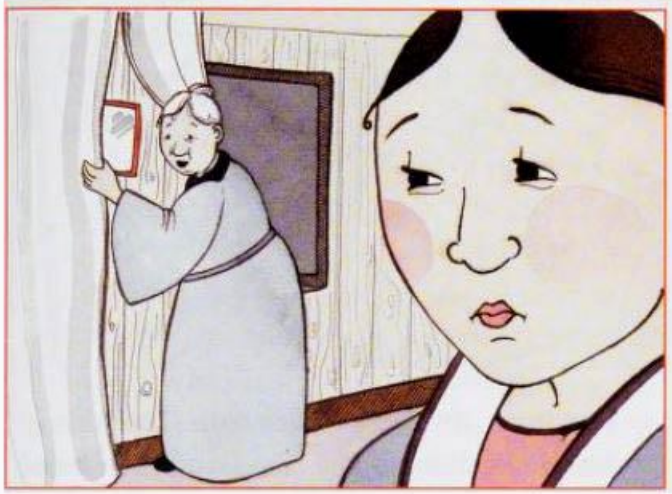

जिनवॉन पर्दे की ओर दौड़ी और उसने इशारा किया. "मेरा पति एक नई पत्नी घर लाया है, और उसने उसे इस पर्दे के पीछे छिपा कर रखा है!" जिनवॉन रोई.

उत्सुकता से, मिन ने पर्दा एक तरफ खींचा और दर्पण में देखा. उसने हँसते हुए कहा, "देखो, पर्दे के पीछे एक बूढ़ी औरत के अलावा और कुछ नहीं है!"

जिनवॉन एक बार फिर विलाप करने लगी, तो मिन से फिर से पर्दे के पीछे देखा. "पर्दे के पीछे सिर्फ एक बूढ़ी औरत है!" उसने घोषणा की.

तभी जिनवॉन के पिता कमरे में आये. उन्होंने शोर सुना था और वो जानना चाहते थे कि उनकी बेटी क्यों रो रही थी.

"यह सारा शोर किस बारे में है?" क्वान ने उत्सुकता से पूछा.

"ओह, पिताजी," जिनवॉन चिल्लाई, "हंसु एक नई पत्नी घर में लाया है, और उसने उसे पर्दे के पीछे छिपाकर रखा है."

"नहीं, नहीं," मिन ने ज़ोर देकर कहा. "पर्दे के पीछे केवल एक बूढ़ी औरत है. आप चाहें तो खुद जाकर उसे देखें!"

फिर मिन पर्दे की ओर भागी, और उसने पर्दा एक तरफ खींचा और क्वान ने दर्पण में झाँका. वो इसलिए उछला, क्योंकि निस्संदेह, उसे दर्पण में एक बूढ़े आदमी का चेहरा दिखाई दिया.

"वो न तो एक सुंदर युवा लड़की है और न ही एक बूढ़ी औरत है," क्वान चिल्लाया, "उसमें एक बूढ़ा आदमी है जो हमारे घर में छिपा हुआ है!"

जिनवॉन ने पीछे जाकर एक बार फिर देखा, लेकिन उसे अभी भी एक सुंदर युवा महिला दिखाई दी. "आप दोनों गलत हैं," उसने जोर देकर कहा.

तभी जिनवॉन की माँ ने फिर से देखा और बोली, "क्या तुम दोनों की आँखों की रोशनी चली गई है?"

अब फिर से देखने की बारी क्वान की थी, और उसे अभी भी उसमें एक बूढ़ा आदमी दिखाई दे रहा था. "आपमें से कोई भी नहीं जानता कि आप क्या देख रहे हैं!" क्वान ने कहा.

उस समय, जिनवॉन का बेटा सू, बाहर खेल रहा था. उसने सोचा, "अंदर, यह सब शोर किसके बारे में है?" वो अंदर गया और उसने देखा कि उसकी माँ और दादा-दादी सभी एक-दूसरे पर चीख-चिल्ला रहे थे. "क्या मामला हो सकता है?" उसे आश्चर्य हुआ.

वे लोग पर्दे की ओर इशारा करते थे और फिर वहां झांकते थे. वे चिल्लाने में इतने व्यस्त थे कि उन्होंने छोटे सू पर ध्यान ही नहीं दिया. "मुझे अचरज है कि उस पर्दे के पीछे क्या है जो परिवार के सभी लोगों को इतना गुस्सा दिला रहा है?" सू को आश्चर्य हुआ.

सू, उस समय एक कुकी खा रहा था. वो पर्दे के पास गया और उसने धीरे से पर्दे को एक तरफ खींचा. उसने एक छोटा लड़का देखा जिसके हाथ में कुकी थी! सू ने लड़के को मुक्का मारा और उससे कहा, "मेरी कुकी मुझे वापस दे दो!"

दर्पण में बैठे लड़के ने भी अपनी मुट्ठी पीछे की ओर हिलाई जिसे देखकर सू रोने लगा.

"क्या बात है बेटा?" सू की माँ ने पूछा.

"पर्दे के पीछे एक छोटा लड़का है जिसने मेरी कुकी चुरा ली है!" सू रोया.

अब दादा, दादी, माँ और उसका बेटा सभी फिर से चिल्लाने लगे.

"वहां एक सुंदर लड़की है!" जिनवॉन चिल्लाई.

"वहां एक बूढ़ी औरत है!" उसकी माँ चिल्लाई.

"वहां एक बूढ़ा आदमी है!" उसके पिता चिल्लाए.

"वहां एक छोटा लड़का है!" सू ने सिसकी लेते हुए कहा.

उसी समय एक पड़ोसी बाहर टहल रहा था. जब उसने शोर सुना तो वो घर में गया और उसने पूछा, "आखिर मामला क्या है?"

सू चिल्लाया, "एक छोटा लड़का मेरी कुकी चुराने की कोशिश कर रहा है, और वो उस पर्दे के पीछे छिपा हुआ है."

पड़ोसी ने परदे के पास जाकर उसे एक तरफ खींचा तो उसे एक बड़े मूर्ख का चेहरा दिखाई दिया.

"मैं तुम्हें सिखाऊंगा कि बच्चों से चोरी मत करवाओ," उसने डांटा, और फिर पड़ोसी ने मूर्ख को पकड़कर अपने साथ ले जाने की कोशिश की. जब उसने ऐसा किया, तो दर्पण फर्श पर गिर गया. हंसू ने शोर सुना और वो भाग कर घर में गया. वहाँ उसे वो सुन्दर दर्पण टुकड़ों में टूटा हुआ मिला.

"क्या हुआ?" उसने पूछा. उन सभी लोगों ने हंसू को उस व्यक्ति के बारे में बताया जो उन्हें लगा कि उस पर्दे के पीछे छिपा था. हँसू हँसते-हँसते लगभग गिर पड़ा. फिर उसने अपनी पत्नी को उस अद्भुत दर्पण के बारे में समझाया और बताया कि कैसे कोई भी उसमें अपना प्रतिबिंब देख सकता था.

"तुम्हारा मतलब है, कि वो कोई और सुंदर महिला नहीं थी?" जिनवॉन ने पूछा.

"नहीं," हंसू ने उत्तर दिया, "वो तुम्हारा प्यारा चेहरा था."

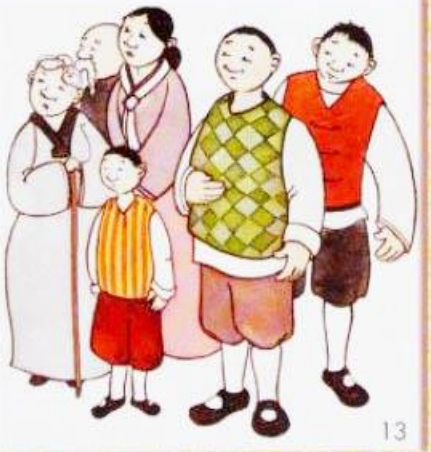

"तुम्हारा मतलब है, वो एक बूढ़ी औरत नहीं थी?" मिन ने पूछा.

"नहीं माँ, वो बुढ़िया आप ही थीं," हंसू ने कहा.

"तुम्हारा मतलब है, कि उसमें बूढ़ा आदमी नहीं था?" क्वान ने पूछा.

"नहीं पिताजी, वो बूढ़ा आदमी आप खुद ही थे!" हंसू ने उत्तर दिया.

"वहां कोई लड़का नहीं था जो मेरी कुकी चुरा रहा था?" सू ने पूछा.

"क्या वो किसी बदमाश का चेहरा नहीं था जो मैंने देखा?" पड़ोसी से पूछा.

अंत

जब उन सभी को एहसास हुआ कि वे कितने मूर्ख थे, तो फिर वे हँसने लगे. जिनवॉन ने वादा किया कि वो दुबारा फिर कभी उपहार खोजने की कोशिश नहीं करेगी, लेकिन हंसू सिर्फ मुस्कुराया क्योंकि वो असलियत जानता था.